वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची – गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग – 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

औषधीय पौधों की खेती और मूल्यवर्धन विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक : 03.12.2021

स्थल : वनटोली, कर्रा, खूंटी

वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आदेश एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एव शिक्षा परिषद देहरादून के निर्देश पर वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 03.12.2021 को “औषधीय पौधों की खेती एवं मूल्यवर्धन” विषय पर खूंटी जिले में कर्रा प्रखण्ड अंतर्गत वनटोली ग्राम में किसानों जन प्रतिनिधियो को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमे लगभग 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वनटोली के वार्ड सदस्य श्री मती मंगरा देवी की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित के साथ श्री करम सिह मुण्डा के द्वारा स्वागत के पश्चात संस्थान के श्री बी.डी. पंडित ने कार्य क्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की एवं संस्थान के शोधकार्यों तथा अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। श्री पंडित ने विभिन्न औषधीय पौधों की खेती की आवश्यकता एवं ग्राम स्वावलंवन में इसके महत्व से परिचित कराया।

संस्थान के वैज्ञानिक श्री अंशुमान दास ने तुलसी, अश्वगंधा, सर्पगंधा, एलोवेरा, ब्राम्ही, लेमनग्रास, खस, गिलोय, गुगुल आदि लगभग २० प्रकार के औषधीय पौधो की खेती के तरीके,

लागत खर्च एव आमदनी का पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया। उन्होने बताया कि किसी भी सामान्य अनाज या सब्जी उत्पादन से औषधीय पौधों की खेती व्यवसायिक दृष्टि से लाभदायक है। श्री दास ने प्रत्येक औषधीय पौधों के विभिन्न उपयोग,उससे वनने वाले उत्पाद तथा क्रय करने वाली कम्पनी की विस्तार से चर्चा किया। एलोबेरा के उत्पाद(जूस) को बताते हुए इसके बाजार से भी अवगत कराया।

सभा को सम्बोधित करते हुये वार्ड सदस्य श्री मती मंगरा देवी ने इस कार्यक्रम को आवश्यक बताया एवं संस्थान का आभार व्यक्त किया। JBLPS के BPM श्री नरेश कुमार ने बताया की संस्था इस क्षेत्र में ग्राम समितियां बनाकर लेमन ग्रास की खेती कर रही है। उसकी कटाई होने के बाद लोगों में आमदनी आना शुरु हो जायेगा। उन्होने बताया कि JBLPS एसे कार्यों की सराहना करती है और एक दूसरे से सहयोग कर कई अन्य औष धीय पौधों की व्यवसायिक खेती करने की योजना बना रही है। दीनदयाल उपाध्याय ग्राम स्वालम्बन योजना के श्री गौरव कुमार ने बताया कि गांव के समितियां बनाकर औषधीय खेती को विस्तार देने के लिये वन उत्पादकता संस्थान का सहयोग की अपेक्षा करती है। उन्होने संस्थान के निदेशक को इस प्रकार कार्यक्रमो के लिये आभार व्यक्त किया। ग्राम स्वालम्बन के सुमित्रा दीदी,आरती दीदी ने भी इस कार्यक्रम की सराहना की एव संस्थान को सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्रश्नोतरी सत्र में श्री पंडित ने औषधीय पौध के क्षेत्रीय नाम से परिचय कराया तथा भण्डारण, मूल्यवर्धन पर विस्तार से चर्चा किया। श्री मुण्डा एवं श्री सूरज कुमार ने औषधीय पौध के बाजार के विषय में किसानो को वताया तथा श्री मुंडा ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम की समापन की घोषणा की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री अंशुमन दास, श्री एस.ए.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार, श्री करम सिंह मुण्डा की भूमिका सराहनीय रही।

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में ग्रामीणो द्वारा स्वागत

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में ग्रामीणो द्वारा स्वागत एवं दीप प्रज्वलित

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में पुष्प अर्पित

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में पुष्प अर्पित

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम की झलकियां